

उत्तर प्रदेश की आरती राणा और नीरजा माधव 'नारी शक्ति पुरस्कार' से सम्मानित

चर्चा में क्यों?

8 मार्च, 2022 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति रामनाथ कोव्दि ने महिला सशक्तीकरण की दशा में असाधारण कार्य करने वाली उत्तर प्रदेश की आरती राणा और नीरजा माधव को 'नारी शक्ति पुरस्कार' से सम्मानित किया।

प्रमुख बद्दु

- राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक विशेष समारोह में राष्ट्रपति ने 29 महिलाओं को नारी शक्ति पुरस्कार प्रदान किया। वर्ष 2020 और 2021 के लिये 14-14 पुरस्कार दिये गए तथा एक पुरस्कार संयुक्त रूप से दो महिलाओं को प्रदान किया गया।
- ये पुरस्कार उद्यमशीलता, कृषि, नवाचार, सामाजिक कार्य, कला, दस्तकारी, वन्यजीव संरक्षण, भाषा विज्ञान, मर्चेंट नेवी, शिक्षा, साहित्य, स्टेम (विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग, गणित) और दवियांगजन अधिकार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं को दिये गए।
- उत्तर प्रदेश की आरती राणा को वर्ष 2020 के लिये तथा नीरजा माधव को वर्ष 2021 के लिये नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- आरती राणा उत्तर प्रदेश के खीरी की एक हथकरघा बुनकर और शक्तििका हैं, उन्होंने 800 से अधिक थारू महिलाओं को शिल्प का प्रशिक्षण दिया है और 150 महिला स्वयं सहायता समूहों की स्थापना की है।
- हन्दि लेखिका नीरजा माधव को हन्दि साहित्य के माध्यम से हाशयि के लोगों के लिये उनके काम के सम्मान में नारी शक्ति पुरस्कार प्रदान किया। उन्होंने हजिडों और तबिबती शरणार्थियों के लिये विश्वशांति, अधिकारों और आरक्षण को बढ़ावा दिया है।
- उल्लेखनीय है कि कमज़ोर और हाशयि पर रहने वाली महिलाओं के सशक्तीकरण की दशा में असाधारण और उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को हर वर्ष नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। कोरोना महामारी के कारण 2020 का नारी शक्ति पुरस्कार समारोह आयोजित नहीं हो पाया था।